दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 169
मुरादाबाद
(Friday)
09 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जिनकी मुफ्त की कमाई बंद हुई, चीखते-चिल्लाते रहें: पीएम मोदी बोले- साइबर फ्रॉड पर ग्लोबल फ्रेमवर्क जरूरी

मोबाइल सिर्फ बात करने का साधन नहीं, अब सुशासन और बदलाव का जरिया बन चुका है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस में पीएम मोदी ने बताया कि कैसे मोबाइल-इंटरनेट ने गांवों तक सरकारी सेवाएं, शिक्षा और डिजिटल भुगतान पहुंचाए। साथ ही उन्होंने साइबर फ्रॉड रोकने के लिए वैश्विक फ्रेमवर्क की जरूरत बताई और डिजिटल लीकेज रोकने का दावा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10वें संस्करण का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री सुबह करीब 10 बजे यशोभूमि पहुंचे। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने सभागार में मौजूद व्यक्तियों को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने नाना पाटेकर को भी याद किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिनकी मुफ्त की कमाई बंद हो गई, वे मोदी को प्यार करेंगे क्या? वे कितना भी चीखते-चिल्लाते रहें, मैं यह काम करता रहूंगा। अगर पुरानी व्यवस्था होती तो पांच लाख करोड़ रुपये लीकेज में चले जाते, लेकिन मोदी ने इसे रोका है। अब यह पैसा सही काम में लग रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत चार लाख करोड़ रुपये किसानों के खातों में जमा किए जा चुके हैं। यह राशि हर चार महीने में किसानों तक पहुंचती है और ऐसे लोगों तक जाती है, जहां पहले कभी पैसा नहीं पहुंचता था।पीएम मोदी ने कहा कि मोबाइल फोन ने भारत में कंटेंट क्रिएशन में क्रांति ला दी है, लेकिन फोन और नेटवर्क की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। सामान्य नागरिक प्रोटोकॉल की भाषा में नहीं सोचता। जब उसके पास फोन आए तो उसे पता होना चाहिए कि कौन फोन कर रहा है। जब वह पेमेंट करे तो उसे भरोसा होना चाहिए कि उसका पैसा सुरक्षित है और उसका डेटा भी सुरक्षित है। साइबर फ्रॉड सीमाओं को नहीं मानते। एक देश में बैठा व्यक्ति दूसरे देश की मदद से तीसरे देश में अपराध कर रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम साइबर फ्रॉड रोकने के लिए एक ग्लोबल फ्रेमवर्क पर काम करें।पीएम मोदी ने कहा कि भारत भाषा और भूगोल के लिहाज से विविधता वाला देश है। इसकी वजह से लोगों के जीवन में कई तरह की असुविधाएं भी आती हैं। मोबाइल ने इस विविधता को सुविधा से जोड़ने का काम किया है। पहले बैंक, अस्पताल और सरकारी दफ्तर शहरों में होते थे, जिससे गांव के लोगों का समय खर्च होता था। आज सरकार की सैकड़ों सेवाएं मोबाइल पर उपलब्ध हैं। डीबीटी के जरिए पैसा सीधे लोगों के खातों में जा रहा है और पांच लाख करोड़ रुपये गलत हाथों में जाने से बचे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दूरसंचार क्षेत्र में जिस मुकाम पर पहुंचा है, उसमें इंडिया मोबाइल कांग्रेस की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि इस बार सम्मेलन में 'हर सीमा से परे जाकर विस्तार' विषय चुना गया है और भारत ने अपने अनुभव के जरिए इस सोच को साकार करके दिखाया है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में मोबाइल संचार सिर्फ संपर्क का माध्यम नहीं रहा, बल्कि सुशासन का एक महत्वपूर्ण साधन भी बनकर सामने आया है और यह भारत के डिजिटल विजन के केंद्र में रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में डाटा और मोबाइल फोन सस्ते होने की बात अक्सर सुनने को मिलती है, लेकिन ये कैसे संभव हुआ, इसे समझने पर भारत के प्रमुख फोकस क्षेत्रों को बेहतर तरीके से समझा जा सकता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कल देश की सेवा करते हुए उनके 25 साल पूरे हुए हैं और वह इसके लिए सभी का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यह संयोग है कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस के भी 10 साल पूरे हुए हैं। पीएम ने कहा कि यह गर्व की बात है कि जीएसएमए बोर्ड की बैठक के लिए भारत को चुना गया। उन्होंने नाना पाटेकर के निधन पर भी दुख जताया और कहा कि वह बेहतरीन कलाकार थे, जिन्होंने अपने किरदारों से दर्शकों का दिल जीता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें इंडिया मोबाइल कांग्रेस के कई संस्करणों में लोगों के बीच आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि 2022 में इसी मंच से देश में 5जी की शुरुआत की गई थी। 2023 में इसी मंच से बताया गया कि भारत 5जी के क्षेत्र में किस तरह आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस के इसी मंच पर अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) की मौजूदगी भी देखने को मिली।

संक्षिप्त समाचार

कांशीराम की 20वीं पुण्यतिथि पर मायावती अर्पित करेंगी श्रद्धांजलि, लखनऊ में आयोजित होगा कार्यक्रम

कांशीराम की 20वीं पुण्यतिथि पर मायावती उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। इस मौके पर लखनऊ में कार्यक्रम आयोजित होगा। राजधानी लखनऊ में 09 अक्तूबर को बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की 20वीं पुण्यतिथि मनाई जाएगी। इस मौके पर बसपा सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। कार्यक्रम का आयोजन बसपा केंद्रीय कैंप कार्यालय में किया जाएगा। बसपा के उत्तर प्रदेश स्टेट कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, कार्यक्रम सुबह 09 बजे 9 माल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में होगा। यहां मायावती कांशीराम के चित्र पर पुष्पार्पित करके उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगी। पार्टी की ओर से बताया गया है कि कार्यक्रम कांशीराम के 20वें परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है।

दलितों, वंचितों की प्रखर आवाज थे रामविलास पासवान, सीएम योगी बोले- चिराग बढ़ा रहे उनका मिशन

पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि रामविलास पासवान दलितों, वंचितों की प्रखर आवाज थे। उन्हें बिहार में जो सम्मान मिला, वही यूपी में भी दिलाएंगे। अब चिराग उनका मिशन आगे बढ़ा रहे हैं। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को सुशांत गोल्फ सिटी में पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की छठी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें नमन किया। इस दौरान भजन कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान जुझारू तेवर वाले जननेता थे। उन्होंने अपने तेवर और संघर्ष से सामाजिक चेतना को नया आयाम दिया। करीब 50 वर्ष पहले बिहार में एक ऐसे युवा नेता का अभ्युदय हुआ, जो दलितों और वंचितों की प्रखर आवाज बने। बिहार की जनता ने उन्हें सर्वाधिक मतों से जिताकर संसद भेजा।संसद में लंबे समय तक साथ काम किया सीएम ने कहा कि बतौर सांसद उन्हें भी रामविलास पासवान के साथ लंबे समय तक संसद में कार्य करने का अवसर मिला। उनके मन में भारतीय परंपरा के प्रति हमेशा श्रद्धा और सम्मान का भाव रहा। दलित और वंचित वर्ग को न्याय मिले, उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मान और उचित स्थान मिले, इसी संकल्प के साथ रामविलास पासवान ने निरंतर कार्य किया।चिराग पासवान बढ़ा रहे रामविलास का मिशन-उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान की अनुपस्थिति आज भी खलती है, लेकिन संतोष इस बात का है कि उनके पुत्र चिराग पासवान उनके मिशन को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कराने के लिए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का आभार जताया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रामविलास पासवान को बिहार में जो सम्मान मिला है, वही सम्मान उत्तर प्रदेश में भी दिलाया जाएगा।

नाना पाटेकर का निधन: 45 मिनट तक मौत से लड़े, फिर थम गई सांसें; 'परिंदा' से 'वेलकम' तक शानदार रहा सफर

अभिनेता नाना पाटेकर का आज सुबह गोवा स्थित उनके घर पर 5-20 बजे गंभीर कार्डियक अरेस्ट के बाद निधन हो गया। उन्हें बचाने के लिए 45 मिनट तक सीपीआर दिया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। मामले में एमएलसी दर्ज किया गया है और पोस्टमार्टम कराया जाएगा। नाना पाटेकर हिंदी और मराठी सिनेमा के उन अभिनेताओं में शुमार रहे जिन्होंने गंभीर, दमदार और अलग तरह के किरदारों से अपनी पहचान बनाई।'उन्हें तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्मश्री समेत कई बड़े सम्मान मिले हैं। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 5-20 बजे गोवा स्थित उनके घर पर गंभीर कार्डियक अरेस्ट के बाद निधन हो गया। उन्हें बचाने के लिए 45 मिनट तक लगातार सीपीआर दिया गया, लेकिन उन्हें पुनर्जीवित नहीं किया जा सका। गोवा के मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालकर ने बताया कि नाना पाटेकर को उनके घर पर गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया था।लगातार 45 मिनट तक सीपीआर देने के बावजूद उनकी हालत नहीं संभली और उनकी मौत हो गई। डॉ. सालकर के मुताबिक, मामले में मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) दर्ज किया गया है। अब नाना पाटेकर का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।डॉक्टर के मुताबिक, रात करीब 2-30 बजे नाना पाटेकर ने अपने एक दोस्त को मैसेज कर तबीयत ठीक न होने की जानकारी दी थी। रात होने के कारण दोस्त वह मैसेज तुरंत देख नहीं पाया, लेकिन बाद में उसने फोन किया और करीब 4 बजे उनके घर पहुंचा। वे पसीने से तरबतर और अचेत अवस्था में थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

नफरत छोड़े, वोट में हेरफेर रोकना सीखें: पीएम मोदी के बयान पर कपिल सिब्बल का तंज

पीएम मोदी के सीखने की क्षमता कम न होने वाले बयान पर कपिल सिब्बल ने तंज कसते हुए कहा कि पीएम को नफरत छोड़ना, वोट में हेर-फेर रोकना और लोकतंत्र के सिद्धांतों का सम्मान करना सीखना चाहिए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प सभा में संबोधन को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने गुरुवार को तंज कसा है। पीएम ने कहा था कि वे चाहते हैं कि उनकी सीखने की क्षमता कम न हो। इस पर सिब्बल ने कहा कि आइए हम नफरत छोड़ना, वोट में हेर-फेर रोकना और लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों का सम्मान करना सीखें। सिब्बल का यह बयान प्रधानमंत्री के विकसित भारत संकल्प सभा को संबोधित करने के एक दिन बाद आया है। नरेंद्र मोदी के सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 साल पूरे होने के मौके पर यह सभा आयोजित की गई थी।प्रधानमंत्री ने क्या कहा था?कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि आज भी मैं खुद को एक छात्र मानता हूं। मैं हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करता हूं। इसीलिए आज मैंने भगवान से प्रार्थना की कि मेरी सीखने की क्षमता कम न हो। इस पर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। सिब्बल ने लिखा कि सात अक्तूबर, 2026 प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने प्रार्थना की कि मेरी सीखने की क्षमता कम न हो। आइए हम ये सीखें- अपने युवाओं, किसानों और आदिवासियों की बात सुनना, नफरत छोड़ना, दूसरों के सपनों को अपनाना, विविधता का सम्मान करना, वोट में हेर-फेर रोकना, लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों का सम्मान करना; बिना सिद्धांत के दल-बदल रोकना।उन्होंने कहा कि बुधवार को %हम यह करेंगे% का नारा देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत 2047 तक एक विकसित देश बन जाएगा, लेकिन उन्होंने चुनावों के दौरान जातिगत बंटवारे को एक बड़ी चुनौती बताया। मोदी ने अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी सरकार की उपलब्धियों का भी जिक्र किया और कहा कि जो चीजें कभी नामुमकिन लगती थीं, वे अब मुमकिन हो गई हैं।

राष्ट्रपति से मुलाकात का मांगा समय: सीईसी के खिलाफ विपक्ष के रुख के बीच बोलीं ममता, दिल्ली के लिए रवाना

ममता बनर्जी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं के आग्रह पर वह दिल्ली जाकर आंदोलन में शामिल होंगी और राष्ट्रपति से मिलने की कोशिश करेंगी। उन्होंने प्रियंका गांधी के साथ हुई घटना की निंदा करते हुए महिलाओं के सम्मान की बात कहीतृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं के आग्रह पर वह दिल्ली जाएंगी और चल रहे आंदोलन में शामिल होंगी। अपनी दिल्ली यात्रा के बारे में बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि शुरू में उन्होंने अभिषेक को भेजने का प्लान बनाया था, लेकिन बाद में वह खुद जाने के लिए तैयार हो गईं, क्योंकि राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगने वाले इंडिया गठबंधन के नेताओं की लिस्ट में उनका नाम भी शामिल किया गया था। बनर्जी ने कहा, मुझसे जाने के लिए कहा गया, इसलिए मैं जा रही हूं। नेताओं की ओर से 8 या 9 तारीख को राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा गया है। उस लिस्ट में मेरा नाम भी शामिल है। उन्होंने कहा कि चल रहे आंदोलन को देखते हुए उनसे दूर रहना ठीक नहीं होगा, खासकर इसलिए क्योंकि बंगाल के लोग चाहते हैं कि वह दिल्ली जाएं।उन्होंने आगे कहा, %भले ही यह पूजा का समय है और हर कोई व्यस्त है। मुझे यह यात्रा करनी ही है। इसलिए, अगर राष्ट्रपति मिलने का समय देते हैं तो ठीक है।अगर मैं वहां नहीं होती तो अच्छा नहीं लगता। इसीलिए मैं जा रही हूं, हालांकि मुझे नहीं पता कि इसके बाद और क्या कार्यक्रम हो सकते हैं।इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा, मैंने बहुत जुल्म देखे हैं।

संपादकीय Editorial

Citizens want a model of good governance

The Congress Working Committee presented Himachal Pradesh's education model as a catalyst for other states. Public-sector educational institutions here are comparatively influential. This is also because almost every government has experimented with the education sector and achieved significant quantitative achievements, but the qualitative impact is lacking. On the other hand, the private sector has made such strides that even parents in rural areas are now being influenced by the glamour of private schools. Political sins and curses in Himachal are also tarnishing the reputation of government institutions. The responsibility for education is not the sole responsibility of any one state, as it is included in the Concurrent List. This means that the state's participation and direction in central schemes has led to the hill state's education model reaching its current level. It is a different matter that there is now a lack of coordination between central and state standards. Expressing its displeasure over this issue, the state government has accused the delay in appointing the Vice Chancellor of the Agricultural University. The state government wants to assert its authority in the appointment of vice-chancellors, so the bill was amended using the power of the Legislative Assembly, but the power of the Lok Bhavan has kept it locked. Similarly, the issue of education, the Dharamshala campus of the Central University, is also embroiled in political allocations. A budget of approximately 250 crore rupees has been approved for the Jadrangal campus, but the state government is not depositing 30 crore rupees in accordance with environmental requirements. Consequently, two versions of an ambitious project are raising different hopes and fears in Dehra and Dharamshala. Despite this, the Sukhu government has made several serious efforts to improve the relevance and quality of educational institutions, of which the effort to create a CBSE curriculum-based environment in public schools is outstanding. Similarly, the resolution of Rajiv Gandhi Day Boarding Schools is a significant effort to bring about change. If the Congress Working Committee examines the state's models and analyzes the roles of its governments in every sector and on every issue, it will also reveal solutions to future challenges in development, human resource development, good governance, the relevance of public enterprises, medical services, civic amenities, and departmental responsibility. The current development models in Himachal Pradesh will need to be redesigned for the future. A new approach to state planning is needed, recognizing the geographical pressures caused by urbanization and the expansion of human settlements. A new model is needed to better utilize natural resources and maintain environmental balance. Regarding the Sukhu government's slogan of the model, the Congress party's thinking, understanding, and acceptance of what the Chief Minister has done, is doing, and will do in the context of systemic change should be reflected. Every government now makes many decisions based on a list of promises, a variety of guarantees, and a favorable mix of generosity for the public. Nevertheless, the vision of good governance from a citizen's perspective is crucial.

An incident that has alarmed the world

Indian pilot Captain Smit averted a major plane crash by thwarting a co-pilot's attack on a Fly Dubai flight. Captain Smit bravely thwarted the co-pilot's attack. His presence of mind averted a tragedy comparable to 9/11. The incident highlighted the threat of global jihadist terrorism. Indian pilot Captain Smit's bravery and presence of mind are currently being praised worldwide. The courage and skill he displayed in thwarting a co-pilot's attempt to crash the Fly Dubai flight is unimaginable. On a Fly Dubai flight from Dubai to Tel Aviv, an Omani co-pilot suddenly attacked Captain Smit.

It is believed the attacker intended to seize control of the plane and crash it. Imagine the plight of those on board as the plane plummeted approximately 17,400 feet during a violent cockpit struggle. Despite being seriously injured, Captain Smith courageously fought with the co-pilot and succeeded in opening the cockpit door. The cockpit door cannot be opened from the outside.If Smith had not opened the door, anything could have happened. Only because the door was open did passengers enter to help, and the two pilots, posing as passengers, took control of the plane. Prime Minister Modi rightly said that Captain Smith's valiant fight prevented another 9/11-like incident from happening. Israeli Prime Minister Netanyahu also called him the one who prevented a repeat of 9/11. US President Trump also praised the Indian pilot.

Those with experience in flying airplanes recognize this incident as an act of extraordinary bravery. Unfortunately, there are some narrative makers in India who are shamefully portraying this as a false flag operation by Israel, or an act of self-inflicted action. There is no need to discuss these frustrated individuals, as newspapers around the world have published comments on this. Furthermore, an investigation has begun, and the truth will be revealed.

This incident has naturally sparked a discussion about the September 11, 2001, terrorist attacks in the United States, the largest terrorist attack of this century and one that shook the entire world. On that day, terrorists hijacked four planes. The first plane crashed into the North Tower of the World Trade Center. Shortly thereafter, the second hijacked plane crashed into the South Tower of the World Trade Center. This caused both towers of the World Trade Center to collapse like a house of cards. The third plane crashed into the Pentagon, Washington's defense headquarters. The fourth plane crashed in Pittsburgh, Pennsylvania, targeting Camp David. America was unable to prevent those attacks. The terrorists involved in the 9/11 attacks were from high-ranking families with high degrees. Their aim was to destroy America's pride.

It is not yet known where the Omani co-pilot intended to crash the plane, but it cannot be ignored that in the 25 years since 2001, the mindset of jihadist terrorism has spread so widely that it is almost impossible to understand the terrorists' methods. This incident reaffirms that jihadist terrorism, which has resurfaced globally since 1990, has spread to a dangerous ideological level. The Omani pilot's actions indicate that he may have become a suicide bomber. Some are calling it a reaction to the US-Israeli attack on Iran or Israel's actions in Gaza, but terrorist attacks are not limited to Jews and Israelis. Haven't we witnessed terrorist incidents in various forms in other countries around the world before?

Israel remains a target of jihadist terrorism because of the hateful hostility against Jews that has been spread in the Islamic world.

It is the world's misfortune that after the September 2001 attacks, the United States, which launched a vigorous war against terrorism under its leadership and pledged to eradicate it, gradually retreated, and now its active military agenda shows no sign of a global fight against terrorism. President Donald Trump's embrace of Pakistan, the largest center of terrorism, is a dangerous signal for the world.Abu Mohammed al-Julani, whom the United States had designated a terrorist, was allowed to become President of Syria, and Trump even reached out to shake hands with him. Despite facing repeated terrorist attacks, the West, which stood up to combat terrorism, has practically surrendered. A united fight against terrorism is impossible in today's conflicted world. Essentially, after the Fly Dubai flight incident, countries like the United States should reconsider their attitude towards terrorism.An Indian-origin pilot may have prevented a repeat of 9/11, but if powerful nations do not unite to understand the jihadist ideology, the entire human civilization will suffer the disastrous consequences.

Unpredictable weather is a warning bell.

Unpredictable weather patterns worldwide due to El Niño and rising global temperatures are severely impacting India's agriculture and economy. El Niño and rising temperatures are causing unpredictable changes in weather. India's agriculture and economy are being severely impacted. Governments and society have an urgent responsibility to control pollution.

Earlier this year, meteorologists warned that a large part of the world would be affected by the El Niño effect. El Niño is a natural climate phenomenon occurring in the Pacific Ocean. It affects the weather across almost the entire world. Scientists believe that the impact of El Niño could last until early next year.As the earth's temperature continues to rise, the impact of El Niño is also becoming more pronounced. Its effects lead to hotter weather in some areas and colder weather in others. Similarly, there is less rainfall and drought in some areas, while others experience excessive rainfall. As anticipated, El Niño also impacted India. Many areas of the country are facing drought, while others receive excess rainfall.

India's agriculture is highly dependent on the weather cycle. Agriculture is the backbone of the Indian economy. Although agriculture and related sectors contribute between 15-18 percent of India's GDP, approximately 50 percent of the country's population depends on it. Problems caused by excessive or insufficient rainfall lead to crop losses, negatively impacting the country's economy. This year, rainfall has been 12 percent deficient.

This is the fourth time in the last 25 years that such low rainfall has occurred, yet some parts of the country also experienced excessive rainfall. Recently, due to a depression in the Bay of Bengal, many states in North India received excessive rainfall in a short period of time. This led to flooding, damage to crops, and the loss of many lives. Excessive rainfall also caused problems in mountainous states. Previously, a glacier burst in Tibet caused massive floods in Nepal, killing thousands.

The rapidly changing weather cycle is affecting the global environment. Ordinary people in many countries, including India, are unable to understand the reasons behind these unexpected changes in weather. The problem is that even those who understand the causes are polluting the environment and exploiting nature indiscriminately. The arbitrary exploitation of natural resources began approximately 40-50 years ago, when industrialization was at its peak and anti-pollution technology had not yet been developed.

Early, meteorologists did not anticipate the long-term impact of this arbitrary exploitation of natural resources on the environment. Consequently, developed countries continued to exploit natural resources, and even today, when they are aware of its adverse effects, they continue to do so. This is despite the fact that their own meteorologists had long ago warned us to be cautious, otherwise a serious crisis was imminent.

They were also warning that the arbitrary exploitation of natural resources was increasing the earth's temperature. For the past few years, climate conferences have been held to curb the rising temperature, and they have reached consensus on measures to protect the environment, but these measures are not being implemented. Even if it is happening, it is in a half-hearted manner. The US, in particular, is unwilling to fulfill its responsibility.

US President Trump denies climate change. Because of him, the US has announced its complete withdrawal from the United Nations Framework Convention on Climate Change in February 2027. In recent years, China has exploited natural resources arbitrarily in pursuit of its development, and continues to do so. Developed countries want developing countries to ignore their own development and take measures to prevent climate change, but they are unwilling to provide these countries with the technology needed to address the causes of global warming. As a result of all this, unpredictable weather changes are being witnessed.

India has become the world's most populous country. As a developing country, India is experiencing a greater impact of the rapidly changing weather cycle. Farmers and poor people are the most affected. People may not notice the rapidly changing weather cycles in their daily lives, but now is the time for the government to raise awareness about the importance of conserving nature.

It must also make people understand that the indiscriminate exploitation and consumption of natural resources is contributing to pollution. While the central and state governments must formulate concrete plans to prevent pollution, individuals must also shoulder their share of responsibility. India must now take concrete measures to control the increasing pollution, as their implementation is already delayed. It should be noted that some studies suggest that if winter pollution is not reduced, crop yields are likely to decline.

This is because increased pollution reduces sunlight in North India, impacting yields. While numerous technologies are now available to control the pollution that comes after the rains, they are, unknowingly, not being properly utilized. This is also due to the lack of vigilance among average citizens about environmental protection. This is why crop residues are burned in some places, and garbage in others.Similarly, old vehicles continue to be driven, even if No matter how much pollution they emit, countless.

मुरादाबाद में दो गेस्ट में लगी भीषण आग: रेलवे स्टेशन के पास हादसा, यात्रियों ने भागकर बचाई जान

रेलवे स्टेशन के सामने दास और विक्रम गेस्ट हाउस में बुधवार रात शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लगी। 10 लोग सुरक्षित निकले, पर सामान जल गया। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ।रेलवे स्टेशन के गेट संख्या दो के सामने बुधवार रात दास और विक्रम गेस्ट हाउस में भीषण आग लग गई। दोनों गेस्ट हाउस में ठहरे 10 लोगों ने बाहर भागकर अपनी जान बचाई लेकिन सामान सभी का जल गया। हाईवे किनारे स्थित गेस्ट हाउस से उठती लपटों को देख ट्रैफिक रोक दिया गया। दमकल की छह गाड़ियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। आग की शुरुआत गेस्ट हाउस के भूतल पर चल रहे पीसीओ में शॉर्ट सर्किट से हुई। देखते-देखते पहली मंजिल के हॉल तक आग पहुंच गई। आग का विकराल रूप देख आसपास की दुकानों को खाली कराना पड़ा।रेलवे स्टेशन के सामने हाईवे किनारे पहली मंजिल पर दास गेस्ट हाउस है। इसमें एक बड़ा हॉल है, जिसमें पांच बेड हैं। यहां लोग ठहरते हैं। नीचे एक पीसीओ है और उसी में मोबाइल पाट्‌र्स की बिक्री होती है।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में जो पता चला है उसके मुताबिक पीसीओ में शॉट सर्किट हुआ है और आग फैल गई। पहले दास गेस्ट हाउस तक आग पहुंची और फिर बगल में विक्रम बिस्तर सप्लायर (गेस्ट हाउस) तक फैल गई। इन दोनों गेस्ट हाउस में पांच-पांच लोग ठहरे हुए थे जो हॉल तक आग पहुंचने से पहले ही निकलकर बाहर आ गए। कुछ ही देर में दोनों गेस्ट हाउस धू-धूकर जलने लगे। इससे अफरा-तफरी मच गई। आसपास की सभी दुकानों को भी खाली करा लिया गया था। दमकल की छह गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान हाईवे पर ट्रैफिक रोक दिया गया। स्थिति यह रही कि रेलवे स्टेशन से पीएसी तिराहे तक और दूसरी ओर डबल फाटक तक लंबा जाम लग गया। हालांकि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन गेस्ट हाउस का सभी सामान जलकर राख हो गया। पुलिस का कहना है कि आग से कितने का नुकसान हुआ, अभी इसका आकलन बाकी है।जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट सामने आई है। पहले आग पीसीओ में लगी। लकड़ी और प्लाईवुड से दुकान बनी होने के कारण आग ऊपर तक फैल गई। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। - डॉ. राजीव कुमार पांडेय, मुख्य अग्निशमन अधिकारी कमरे में भरा धुंआ, घुटने लगा था दम-दास गेस्ट हाउस और विक्रम बिस्तर सप्लायर में बुधवार की रात अचानक लगी आग से कमरों में धुंआ भर गया था। इस दौरान दोनों गेस्ट हाउस में मौजूद लोगों का दम घुटने लगा। सांस लेने में दिक्कत हुई तो सभी किसी तरह जान बचाकर बाहर आ गए। बताया जाता है कि दोनों गेस्ट हाउस में पांच-पांच लोगों के ठहरने का इंतजाम है। बुधवार रात जब आग लगी तो यहां करीब दस लोग मौजूद थे। लोगों का कहना था कि सभी सो रहे थे। अचानक से कमरे में धुंआ भर गया। इसके बाद अफरातफरी मच गई। गेस्ट हाउस में मौजूद रहे फैजाबाद निवासी कन्हैया लाल ने बताया कि वह गहरी नींद में सो रहे थे। मुरादाबाद में रेलवे की परीक्षा देने आए थे। बृहस्पतिवार की सुबह उन्हें एमआईटी में परीक्षा देनी है। कन्हैया लाल के मुताबिक वह कमरे में सो रहे थे। अचानक कमरे में धुंआ भर गया। सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। इसके बाद किसी तरह जान बचाकर कमरे से निकलकर बाहर आया।जल गया प्रवेशपत्र, पैरों में चप्पल भी नहीं कन्हैया लाल ने बताया कि गेस्ट हाउस में आग लगने से उनका सारा सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि प्रवेशपत्र, कपड़े, पैसे, मोबाइल सब जल गए। वह नंगे पैर ही बार निकल आए। पैरों में चप्पल तक नहीं थे। टीशर्ट और गमछा ही शरीर पर बचा है। बाद में पुलिस ने उसके लिए कपड़े और खाने का इंतजाम कराया।

मालकिन की अंतिम यात्रा में शामिल हुए बेजुबान: आगे-आगे हाथी... पीछे बुजुर्ग की शव यात्रा, ऐसे दी सलामी

ब्योरा गांव में 74 वर्षीय रामबेटी की अंतिम यात्रा में उनके दो पालतू हाथी शामिल हुए। हाथियों ने सूंड उठाकर उन्हें अंतिम सलामी दी, जो परिवार की पीढ़ियों की परंपरा है।रजपुरा क्षेत्र के गांव ब्योरा में बुधवार दोपहर अनोखी अंतिम यात्रा देखी गई। 74 वर्षीय रामबेटी का बुधवार की तड़के बीमारी के चलते निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में दो पालतू हाथी शामिल हुए, जिसने सभी को भावुक कर दिया। कई गांव के ग्रामीण भी इस अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए पहुंचे। लोगों के बीच हाथी चर्चा का विषय रहे। हाथियों ने भी सूंड उठाकर रामबेटी को अंतिम सलामी दी।रामबेटी के बेटे मनवीर सिंह ने बताया कि उनके परिवार में कई पीढ़ियों से हाथी पालने की परंपरा है। उनके पिता नत्थू सिंह भी हाथी पालते थे। नत्थू सिंह के निधन के बाद रामबेटी ने हाथियों की देखभाल की जिम्मेदारी संभाली थी। उनका अपने हाथियों से बहुत लगाव था। वह उनकी खुराक, नहलाने और देखरेख का ध्यान रखती थीं। परिवार के लोग बताते हैं कि परमा और मोहन हाथी बुजुर्ग महिला की आवाज पहचानते थे।रामबेटी के गहरे लगाव के कारण परिजनों ने दो पालतू हाथी को अंतिम विदाई में शामिल किया। शव यात्रा गांव से राजघाट गंगा घाट के लिए निकली। हाथी आगे चल रहा था और उसके पीछे सैकड़ों ग्रामीण थे। यह दृश्य देखकर सभी लोग भावुक हो गए। ग्रामीणों ने ऐसी अंतिम यात्रा पहली बार देखी थी। मनवीर ने बताया कि रामबेटी की इच्छा थी कि परिवार यह परंपरा जारी रखे। फिलहाल परिवार के पास दो हाथी हैं जिनकी देखभाल अगली पीढ़ी कर रही है।

अजीबोगरीब चोरी: तेंदुए के इंतजार में बैठी रही वन विभाग की टीम, पिंजरे से बकरी और मुर्गियां चुरा ले गए चोर

तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरों से चोरों ने बकरी और मुर्गियां चुरा लीं। राघूवाला में बकरी और मस्तलीपुर में मुर्गियां चोरी होने से पिंजरों की निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।एक सप्ताह से लगा था पिंजरा, ताला तोड़कर चोर ले गए बकरी, एक दिन पहले मस्तलीपुर में दो मुर्गियां भी हुई थीं चोरीतेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरा लगाया और उसमें बकरी बांधी, लेकिन रात में तेंदुआ तो नहीं आया, चोर जरूर पहुंच गए। चोर पिंजरे का ताला तोड़कर उसमें बंधी बकरी ही खोलकर ले गए। गुरुवार सुबह घटना का पता चला तो वन विभाग के कर्मचारियों में खलबली मच गई। खास बात यह है कि एक दिन पहले ही मस्तलीपुर में भी तेंदुए को पकड़ने के लिए लगाए गए पिंजरे का ताला तोड़कर दो मुर्गियां चोरी कर ली गई थीं।राघूवाला स्थित गोशाला के पास तेंदुए को पकड़ने के लिए करीब एक सप्ताह से पिंजरा लगा हुआ है।

वन विभाग के कर्मचारी अरुण कुमार ने बताया कि बुधवार शाम करीब छह बजे पिंजरे में बकरी बांधी गई थी।पिंजरे पर ताला लगाकर उसकी चाबी वह अपने साथ ले गए थे। उस समय नन्हे कश्यप, गणपत सिंह और पवन कुमार समेत कई लोग वहां मौजूद थे।

गुरुवार सुबह करीब आठ बजे अरुण कुमार बकरी को देखने पहुंचे तो पिंजरे का ताला टूटा पड़ा था और बकरी गायब थी।सूचना पर ग्राम प्रधान के पुत्र अकील मलिक और गोशाला कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए। बकरी चोरी की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण भी वहां जुट गए।कैमरों में तलाशे जा रहे चोर-ग्राम प्रधान मोहम्मद यामीन ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फुटेज में चोरों की तस्वीर मिलने के बाद ही उनका पता चल सकेगा। लगातार दूसरी बार तेंदुए के लिए लगाए गए पिंजरे से चारा चोरी होने के बाद ग्रामीणों में भी चर्चा है कि जब पिंजरे की निगरानी नहीं हो पा रही है तो तेंदुए को पकड़ने की व्यवस्था कितनी प्रभावी होगी।एक दिन पहले दो मुर्गियां भी हुई थीं चोरी-मस्तलीपुर गांव में बुधवार को भी तेंदुए को पकड़ने के लिए लगाए गए पिंजरे का ताला तोड़कर उसमें रखी दो मुर्गियां चोरी कर ली गई थीं। इसके अगले ही दिन राघूवाला में बकरी चोरी होने से चोरों के हौसले और पिंजरों की निगरानी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

मुरादाबाद के बलिया गांव में 25वां तेंदुआ पिंजरे में फंसा, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

मुरादाबाद के रामगंगा खादर क्षेत्र के बलिया गांव में गुरुवार सुबह एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। यह इस क्षेत्र में पकड़ा गया 25वां तेंदुआ है, जिससे ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही दहशत से कुछ राहत मिली है।बलिया गांव में गुरुवार सुबह एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हुआ। रामगंगा खादर क्षेत्र में पकड़ा गया यह 25वां तेंदुआ है। लंबे समय से दहशत झेल रहे ग्रामीणों को मिली कुछ राहत।रामगंगा खादर क्षेत्र में तेंदुओं की दहशत के बीच गुरुवार सुबह ग्राम बलिया में एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। इसके साथ ही खादर क्षेत्र में वन विभाग के अभियान के दौरान पकड़े गए तेंदुओं की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। बलिया गांव तेंदुओं के आतंक का लंबे समय से गवाह रहा है। गांव में इससे पहले भी कई बार तेंदुए पकड़े जा चुके हैं। ग्रामीणों के लिए यह महज तेंदुए के पकड़े जाने की खबर नहीं, बल्कि उस डर से कुछ राहत है, जिसने लंबे समय से खेतों और गांव के रास्तों तक पीछा नहीं छोड़ा।इसी बलिया गांव में तेंदुओं के हमले में तीन लोगों की जान जा चुकी है। इसके बाद से ग्रामीणों में तेंदुए को लेकर डर और ज्यादा गहरा गया था। खेतों में काम करने और गन्ने की फसल के बीच जाने में भी ग्रामीण सतर्कता बरत रहे थे।गुरुवार सुबह सात बजे पिंजरे में तेंदुआ फंसने की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को सुरक्षित कब्जे में लिया। क्षेत्र में लगातार तेंदुओं की मौजूदगी और हमलों को देखते हुए वन विभाग की टीमें निगरानी कर रही हैं। 25वां तेंदुआ पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, लेकिन खादर क्षेत्र में अभी तेंदुओं का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना: मुरादाबाद में बनेगी नई आवासीय कॉलोनी, 15 दिन में भेजा जाएगा प्रस्ताव

मुरादाबाद में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत एमडीए कांठ रोड पर 100 हेक्टेयर में नई आवासीय योजना लाएगा। मुरादाबाद में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत नई आवासीय योजना। एमडीए द्वारा कांठ रोड पर 100 हेक्टेयर में विकसित होगी योजना। 15 दिन में सर्वे पूरा कर शासन को भेजा जाएगा प्रस्ताव। कांठ रोड पर एमडीए काजीपुरा, महलकपुर-निजामपुर, सलेमपुर और अगवानपुर के रकबे में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण के तहत नई आवासीय योजना बनाएगा। आसपास करीब 500 हेक्टेयर जमीन चिन्हित की गई है। इसमें से 100 हेक्टेयर में आवासीय योजना एमडीए लाएगा। अगले 15 दिन में सर्वे पूरा कर प्रस्ताव शासन को भेजने की तैयारी है। सर्वे में जमीन की स्थिति, सर्किल रेट और बड़ी जोत वाली जमीन की उपलब्धता का आकलन किया जाएगा। एमडीए छोटे-छोटे होल्डिंग एरिया वाली जमीन के बजाय बड़ी जोत वाली जमीन को प्राथमिकता देगा। योजना में आवासीय भूखंडों के साथ अस्पताल, शिक्षण संस्थान, खेल सुविधाएं और व्यावसायिक भूखंड भी प्रस्तावित होंगे। प्रस्तावित योजना कांठ रोड से काजीपुरा की ओर होगी जो गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर होगी। इसे रिंग रोड से जोड़ने के लिए सड़कों का अलग से मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। वर्तमान में योजना क्षेत्र को रिंग रोड से जोड़ने के लिए कोई लिंक रोड नहीं है। 0 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस के लिए बनेंगे आवास मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना में 10 प्रतिशत आवास ईडब्ल्यूएस के लिए बनाए जाएंगे। इसके अलावा 112 वर्ग मीटर से 300 वर्ग मीटर और व्यवसायिक, शिक्षण संस्थान, अस्पताल के लिए बड़े भूखंड निकाले जाएंगे। इसमें ग्रुप हाउसिंग नहीं बनाए जाएंगे। कारण, ग्रुप हाउसिंग के कई अपार्टमेंट ढक्का व नया मुरादाबाद में कई अपार्टमेंट में आवास नहीं बिक रहे हैं। प्रस्तावित आवासीय का ये है हाल-शिवालिक~ शिवालिक आवासीय योजना तीन साल पहले आई थी। जिसमें तीन फेज में अभी एक फेज की जमीन भी पूरी नहीं खरीदी जा सकी है।। अभी 145 हेक्टेयर जमीन को लेकर किसानों की सहमति जारी है। गोविंदपुरम फेज-दो~ गोविंदपुरम फेज-दो में 500 भूखंड प्रस्तावित हैं। लेकिन अभी 250 भूखंड के लिए ही जमीन खरीदी गई है। 250 भूखंड का मानचित्र ही अभी बोर्ड बैठक से स्वीकृत हुआ है।सह्याद्रि फेज-दो~ सह्याद्रि फेज-दो में 300 भूखंड प्रस्तावित हैं। फेज-दो में अभी कई माफियाओं द्वारा जमीनों पर कब्जे के मामले हैं। एमडीए द्वारा धीरे-धीरे कब्जा मुक्त कराने की कार्रवाई का दावा किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने एक कचौड़ी दो समोसा, इस सरकार का क्या भरोसा लगाया नारा

%एक कचौड़ी दो समोसा, इस सरकार का क्या भरोसा% नारे के साथ मुरादाबाद में गरजे कर्मचारी, 12 से लखनऊ में

अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी मुरादाबाद में अपनी मांगों को लेकर एनएचएम के संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने सीएमओ दफ्तर पर प्रदर्शन किया। समान कार्य-समान वेतन और नियमितीकरण की मांग उठा रहे कर्मचारियों ने अनोखे नारेबाजी के साथ सरकार को घेरा और साफ कह दिया कि अगर जल्द हल नहीं निकला, तो 12 अक्टूबर से लखनऊ कूच कर अनिश्चितकालीन धरना देंगे।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के बैनर तले अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत कर्मचारी गुरुवार को सीएमओ कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। समान कार्य-समान वेतन एवं नियमितीकरण की मांग को लेकर कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन के दौरान एक कचौड़ी दो समोसा, इस सरकार का क्या भरोसा卐 का नारा बुलंद कर सरकार पर अपनी मांगों की अनदेखी का आरोप लगाया। कर्मचारियों ने ऐलान किया है कि यदि मांगें न मानी गईं तो वे 12 अक्टूबर से कार्य बहिष्कार कर लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जनपद के संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का आंदोलन लगातार जारी है। कर्मचारियों के इस आंदोलन से जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी और सीएमओ कार्यालय में कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कर्मचारियों ने समान कार्य के लिए समान वेतन, नियमितीकरण, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का ह।।रू में समायोजन और अन्य लंबित मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी की। कर्मचारियों का कहना है कि वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ सेवाएं देने के बावजूद उन्हें स्थायी कर्मचारियों के समान सुविधाएं और वेतन नहीं मिल पा रहा है। संघ के पदाधिकारियों ने साफ कहा कि यदि शासन स्तर से कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। संघ के जिलाध्यक्ष अज़ीज़ुर रहीम, चंचल सिंह आजाद, राजीव कुमार, चंद्रशेखर, रघुवीर सिंह और डॉ. अनीता ने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। जिलाध्यक्ष अजीजुर रहीम और जिला महामंत्री विपिन भट्ट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कर्मचारी इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी कार्यों का बहिष्कार कर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। यदि इसके बाद भी मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो 12 अक्टूबर से प्रदेश भर के कर्मचारी लखनऊ पहुंचकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ब्लॉक से लेकर वार्ड तक टीवी को हराने उतरी टीम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद में 'टीबी मुक्त भारत अभियान-जोश टीम' का जोरदार आगाज हुआ। नई दिल्ली से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में देखा गया, जिसके बाद प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार और डीएम अविनाश सिंह की मौजूदगी में सभी ने टीबी मुक्त भारत की शपथ ली। अभियान को जमीनी स्तर पर धार देने के लिए जिले के 15 ब्लॉकों और 20 अर्बन क्षेत्रों में नोडल अधिकारी

(BDO, अपर नगर आयुक्त और EO) तैनात किए गए हैं। इनके सहयोग के लिए हर क्षेत्र में 5 NCC कैडेट्स और 5 माई भारत वॉलंटियर्स को जोड़कर विशेष जोश टीम बनाई गई है। यह टीम घर-घर जाकर टीबी के प्रति जागरूकता फैलाएगी, संभावित मरीजों की पहचान और जांच कराएगी, ताकि हर ग्राम पंचायत और वार्ड को तय मानकों के आधार पर पूरी तरह टीबी मुक्त घोषित किया जा सके।

बरेली कॉलेज में रसायन विभाग में गूंजी लोकतंत्र की ताकत, 80 से अधिक विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता में दिखाया दम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग में गुरुवार को लोकतंत्र के सबसे बड़े अधिकार यानी मताधिकार की गूंज सुनाई दी। अवसर था 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत आयोजित निबंध प्रतियोगिता का, जिसका विषय लोकतंत्र के सशक्तीकरण में मतदाता की भूमिका रखा गया।

कार्यक्रम में युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। 80 से अधिक छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ अपनी कलम चलाई और यह साबित किया कि आज की युवा पीढ़ी सिर्फ विज्ञान ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और लोकतांत्रिक मूल्यों की बारीकियों को भी बखूबी समझती है।

प्रतिभागियों ने अपने आलेखों के जरिए स्पष्ट संदेश दिया कि एक मजबूत और पारदर्शी लोकतंत्र की नींव जागरूक मतदाता के कंधों पर ही टिकी होती है। विद्यार्थियों ने मत के सदुपयोग, नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्र की दिशा तय करने में वोट की अहमियत जैसे विभिन्न आयामों पर धारदार विचार प्रस्तुत किए। इस पूरे आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं के भीतर लोकतांत्रिक चेतना को जगाना और मतदान के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव पैदा करना था।कार्यक्रम के दौरान विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक और शिक्षकगण मौजूद रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते रहे। इस अवसर पर विभाग प्रभारी प्रो. मोहन भूषण कल्हंस, प्रो. गजेन्द्र पाल सिंह, डॉ. रुचि अग्रवाल, कैलाश चंद्र, जुगल किशोर, डॉ. नीरज सक्सेना, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. चित्रेंदु, डॉ. उन्नति एवं डॉ. देवदत्त सहित रसायन विज्ञान विभाग के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

विचारों के इस वैचारिक मंथन और युवाओं की भारी भागीदारी के साथ यह प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

फर्जी हकीम के बैंक खाते होंगे फ्रीज, सहारनपुर-मुरादाबाद जाएगी पुलिस टीम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। इज्जतनगर इलाके में आठवीं पास एक कथित हकीम नकली दवाओं का बड़ा धंधा चलाते पकड़ा गया। नकली आयुर्वेदिक और शक्तिवर्धक दवाएं बेचने का आरोप है। बाकायदा एक पूरी टीम इस काम में जुटी थी। कॉल सेंटर बना रखा था। ग्राहकों को ऑनलाइन दवाएं ऑफर की जाती थीं। नकली दवा कारोबार के खुलासे के बाद अब पुलिस इस नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। इसी क्रम में पुलिस हकीम समीरउद्दीन और उसके साथियों के बैंक खातों को फ्रीज कराने की तैयारी में है। पिछले छह सालों के वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। इस धंधे में शामिल फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें सहारनपुर और मुरादाबाद भी भेजी जाएंगी।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि समीरउद्दीन खुद को हकीम बताता था। यूनानी इलाज की आड़ में वह नकली दवाओं का कारोबार कर रहा था। गिरोह करीब छह साल से ऑफलाइन दवाएं बेच रहा था। करीब दो साल पहले ऑनलाइन कारोबार शुरू किया था। पुलिस ने नकली दवा सेंटर से मिले दस्तावेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सेंटर के सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी कब्जे में लिया है। फुटेज खंगालकर सेंटर पर आने-जाने वाले लोगों की पहचान की जा रही है। कॉल सेंटर से मिले मोबाइल नंबरों की भी पड़ताल जारी है। कॉल सेंटर में काम करने वाले कर्मचारियों से भी पूछताछ संभव है। पुलिस यह पता कर रही है कि कर्मचारियों को दवाओं के फर्जीवाड़े की जानकारी थी या वे केवल सामान्य कॉलिंग का काम कर रहे थे। इसके अलावा पुलिस की टीम मुरादाबाद और सहारनपुर जाकर मामले की जांच करेंगी और जो लोग यह दवा बरेली में सप्लाई करते थे, उनके नाम भी मुकदमे में बढ़ाए जाएंगे।

परसाखेड़ा में लगा मेगा स्वास्थ्य शिविर, 737 कामगारों ने कराई जांच

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर के तहत गुरुवार को परसाखेड़ा स्थित मैसर्स वृन्दावन बेवरीज प्रा. लि. में श्रमिकों के लिए एक दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। श्रम विभाग, चिकित्सा विभाग और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) के संयुक्त समन्वय से आयोजित इस शिविर में डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और आधुनिक उपकरणों के साथ मुफ्त जांच व दवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में परसाखेड़ा

औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मियों और भवन निर्माण श्रमिकों सहित कुल 737 कामगारों ने पंजीकरण कराकर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। सहायक श्रमायुक्त बाल गोविन्द ने सभी सेवायोजकों और श्रमिकों का आभार जताया। इस मौके पर सहायक निदेशक (कारखाना) अनुज यादव, IIA सचिव धनंजय, श्रम प्रवर्तन अधिकारी अरविन्द सिंह व मधुलिका सहित चिकित्सा और ईएसआई टीम के अधिकारी व बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

एडीजी रमित शर्मा ने परखी महिला सुरक्षा की जमीनी हकीकत

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) बरेली जोन, रमित शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोन के सभी 9 जनपदों में मिशन शक्ति केंद्र (MSK), एंटी रोमियो स्क्वॉड और महिला बीट के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में बरेली परिक्षेत्र डीआईजी अजय कुमार साहनी व मुरादाबाद परिक्षेत्र सहित सभी जिलों के कप्तान, राजपत्रित अधिकारी और महिला सुरक्षा टीमों के प्रभारी उपस्थित रहे। संवेदनशील स्थलों पर एंटी रोमियो स्क्वॉड की सख्त निगरानी एडीजी ने निर्देश दिए कि शैक्षणिक संस्थानों, बाजारों, भीड़भाड़ वाले चौराहों और महिला आवागमन के संवेदनशील मार्गों पर एंटी रोमियो स्क्वॉड लगातार प्रभावी

गश्त व निगरानी बनाए रखे। शोहदों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध नियमानुसार तत्काल व सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

निर्देशित किया गया कि मिशन शक्ति केंद्रों पर आने वाली महिलाओं व बालिकाओं की शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निस्तारण हो। साथ ही महिला सुरक्षा से जुड़ी पुलिस सेवाओं, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और अधिकारों के प्रति व्यापक जागरूकता अभियान निरंतर जारी रहे। नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन% ही प्राथमिकता एडीजी ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि महिला सुरक्षा एक सुरक्षित और सशक्त समाज की नींव है। पुलिस टीमें महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर सुरक्षा का ऐसा माहौल बनाएं, जिससे पुलिस पर उनका विश्वास और सुदृढ़ हो। वरिष्ठ अधिकारी भी फील्ड स्तर पर चल रहे इन अभियानों का निरंतर अनुश्रवण करें।

सड़क किनारे खड़े डंपर में घुसी बाइक, दो सगे भाईयों समेत तीन की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बीती रात यहां एक बड़ा और खौफनाक सड़क हादसा सामने आया है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जिसमें दो सगे भाई और एक बहनोई शामिल हैं। हादसे की खबर से घरवाले गश खाकर गिर पड़े। गांव में सन्नाटा छा गया।

दुर्घटना बरेली-नैनीताल हाईवे पर हुई। देवरनिया थाना क्षेत्र के कठर्रा गांव के पास एक डंपर सड़क किनारे खड़ा था। रुद्रपुर की एक फैक्ट्री से काम करके आंवला स्थित अपने घर लौट रहे तीन बाइक सवार डंपर में जा घुसे। बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं लगाया था। हादसा इतना तेज था कि दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे की अस्पताल में।

बुधवार की रात तीनों रुद्रपुर स्थित फैक्ट्री से काम खत्म करके आंवला के लिए लौट रहे थे। नैनीताल हाईवे पर सतीश ढाबा के पास अचानक से उनकी बाइक पंचर हो गई। बाइक डालचंद्र चला रहे थे।

तेज रफ्तार बाइक अचानक पंचर होने पर डालचंद्र बैलेंस नहीं संभाल सके और उनकी बाइक डंपर में पीछे से जा घुसी। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और राहगीरों की मदद से उन्हें भोजीपुरा स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तीनों की जेब से मिले दस्तावेजों के जरिये उनकी पहचान की। परिजनों को सूचना दी। जैसे ही खबर कैमुआ गौटिया गांव पहुंची। घर में कोहराम मच गया। घरवाले बरेली पहुंचे और जवान बच्चों के शव देखकर बिलख उठे। पुलिस ने तीनों के शव मोर्चरी में रख दिए। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए जाएंगे।

जिला जेल में जिला जज, DM व SSP का औचक निरीक्षण : सुरक्षा परखी बंदियों के हुनर को सराहा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिला कारागार में सुरक्षा, अनुशासन और सुधार व्यवस्था को परखने के लिए जिला जज, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, सीजेएम और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान जेल को जेल का भ्रमण कराया और सुरक्षा सहित अन्य उच्चाधिकारियों ने जेल अधीक्षक के साथ बैरकों, मुआयना किया। अधिकारियों ने बंदियों को मिल और स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेते हुए जेल दिए। ?निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल में कार्य का भी अवलोकन किया। जेल अधीक्षक डॉ. सुधारात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए अधिकारियों समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में मददगार साबित और रोजगार अधिकारी को भी बंदियों के कौशल गए।

अधीक्षक डॉ. आलोक शुक्ला ने अधिकारियों व्यवस्थाओं की बिंदुवार जानकारी दी। भोजनालय और अस्पताल का बारीकी से रहे भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, साफ-सफाई मैन्युअल के शत-प्रतिशत पालन के सख्त निर्देश बंदियों द्वारा किए जा रहे जरी-जरदोजी के आलोक शुक्ला की देखरेख में चल रहे इन ने कहा कि यह हुनर बंदियों को रिहाई के बाद होगा। मौके पर मौजूद बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास को और बेहतर करने के निर्देश दिए

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

कुत्ते ने छह साल के बच्चे को नोचा, हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।बृहस्पतिवार को गांव सहसा में स्कूल से आने के बाद अपने घर से ताई के घर जा रहे छह वर्षीय मासूम पर कुत्ते ने हमला कर दिया।जिससे वह गंभीर घायल हो गया।चीख पुकार सुनकर मोहल्ले के लोगों ने उसे बचाया।परिजनों ने उसे बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को सहसा मुगलपुर निवासी सुनील का छह वर्षीय बेटा तरुण प्राइवेट स्कूल से पढ़कर घर आया था। बैग घर पर रखने के बाद वह ताई के घर जा रहा था। रास्ते में कुत्ते ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बच्चे के जमीन पर गिरते ही कुत्ते ने उसके चेहरे को नोचना शुरू कर दिया। बच्चे की चीख सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़कर पहुंचे और कुत्ते को भगाकर उसे बचाया। परिजन घायल बच्चे को तत्काल बरेली के एक निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने बच्चे की सर्जरी की है। परिजनों के अनुसार उसकी हालत गंभीर है। गनीमत रही कि हमले में बच्चे की आंख बच गई।

सपा का शक्ति प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा मांगने सड़कों पर उतरे नेता, कार्यकर्ता

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष अड़ गया है। दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के बाद अब देशभर में

विपक्ष सड़कों पर उतरने लगा है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी ने जिला स्तर पर अपना विरोध-प्रदर्शन किया। बरेली में सपा के सैकड़ों नेता और कार्यकर्ताओं ने सड़क पर विरोध दर्ज कराते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगा है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) पर उठते गंभीर सवालों के बीच देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार घिर गए हैं। विपक्ष उनकी भूमिका पर सवाल उठाते हुए आयोग में उनकी मौजूदगी को लोकतंत्र के लिए खतरे के रूप में देख रहा है। इसी क्रम में आंदोलन तेज होता जा रहा है। गुरुवार को बरेली में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर उतरे। ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग वाले पोस्टर-बैनर लेकर प्रदर्शन किया। आंबेडकर पार्क से शुरू हुआ प्रदर्शन कलेक्ट्रेट तक पहुंचा। यहां मार्च करते हुए सपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की।

लोनिवि में 1 करोड़ के फर्जी भुगतान का मामला: बेकसूर कर्मियों का वेतन रोकने पर फूटा आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) के निर्माण भवन खंड में करीब 1 करोड़ रुपये के कथित फर्जी एरियर भुगतान का मामला गरमा गया है। मामले में अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) अब्दुल सत्तार और एक लिपिक की भूमिका जांच के दायरे में है। आरोप है कि भुगतान के लिए कथित तौर पर एक्सईएन के फर्जी हस्ताक्षरों का भी इस्तेमाल हुआ। ?इस बीच, विभाग द्वारा तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के निर्दोष कर्मचारियों का नियमित वेतन रोके जाने पर यूपी लोनिवि मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन ने कड़ा विरोध जताया है। एसोसिएशन ने अधीक्षण अभियंता को पत्र भेजकर इस कार्रवाई को नियम-विरुद्ध और तानाशाहीपूर्ण करार दिया। संगठन का कहना है कि नियमों के तहत जांच लंबित रहने पर बिना निलंबन या वैधानिक आदेश के नियमित वेतन नहीं रोका जा सकता। एसोसिएशन ने अधिकारियों के इस दोहरे रवैये की निंदा करते हुए कर्मचारियों का वेतन तुरंत जारी करने की मांग की है। मामले की आधिकारिक जांच जारी है।

गैर इरादतन हत्या में पत्नी पुत्र, भाई समेत 5 को कैद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। एक संस्थान के निदेशक से जमीनी विवाद में समझौता न करने पर तलवार से हमला कर गैर इरादतन हत्या करने के मामले में अपर जिला जज प्रथम विजेंद्र त्रिपाठी की कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया। कोर्ट ने गैरइरादतन हत्या के दोषी अफजाल को सश्रम दस वर्ष की कैद और बीस हजार जुर्माने की सजा सुनाई। वहीं आरोपी अफजाल की पत्नी गुलशन, बेटे आबिद, भाई मुनब्बर और मित्र तसव्वर को मारपीट कर चोट पहुंचाने में प्रत्येक को तीन तीन वर्ष की कैद की सजा सुनाई। एडीजीसी क्राइम सुनील पाण्डेय ने बताया कि थाना बारादरी में नवादा जोगियान निवासी काबिल हुसैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

समापन दिवस पर अमरपुरकाशी के खिलाड़ियों का जलवा, 15 पदक जीते

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । 77वीं जनपदीय शैक्षिक क्रीड़ा समारोह, मुरादाबाद के समापन दिवस पर कृषि औद्योगिक इंटर कॉलेज अमरपुरकाशी के छात्र-छात्राओं ने एथलेटिक्स स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण, 7 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 15 पदक जीते। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।

सब-जूनियर वर्ग में पुष्पेंद्र ने 600 मीटर और 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया। सीनियर वर्ग में रिशु ने 100 मीटर तथा शिवांशी ने 3000 मीटर दौड़ और 4000 मीटर क्रॉस कंट्री में स्वर्ण पदक जीते।

4म100 मीटर रिले में शिवांशी और भावना की टीम तथा 4म400 मीटर रिले में शिवांशी, भावना और कल्पना की टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किया। रजत पदकों में शिवांशी ने 800 मीटर, रिशु यादव ने 400 मीटर, कल्पना ने 400 मीटर, वर्षा ने 600 मीटर, रिशु ने 200 मीटर तथा अंजली ने 80 मीटर पगबाधा और चक्का फेंक में पदक हासिल किए। वर्षा ने 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता।

समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष कुमार जादौन ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल प्रभारी पंकज सक्सेना और आदित्य रावल के निर्देशन में खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन किया।

प्रधानाचार्य ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और लगन ने विद्यालय के साथ-साथ बिलारी क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

सीडीपीओ के तबादले के विरोध में आंगनबाड़ियों ने किया प्रदर्शन,परियोजना कार्यालय पर लगाया ताला, तबादला रोकने की मांग

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । बाल विकास परियोजना अधिकारी सुरेंद्र पाल सिंह के बिलारी से कुंदरकी तबादले की सूचना के बाद गुरुवार को बिलारी ब्लॉक की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित कार्यकत्रियों ने बाल विकास परियोजना कार्यालय पर ताला लगा दिया और जिला कार्यक्रम अधिकारी, मुरादाबाद के नाम ज्ञापन सौंपकर तबादला रोकने की मांग की।परियोजना कार्यालय पर करीब 91 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने एकजुट होकर हाथ उठाकर विरोध जताया। ज्ञापन में कहा गया कि सीडीपीओ सुरेंद्र पाल सिंह का बिलारी से कुंदरकी तबादला कराने के लिए कुछ लोगों द्वारा यह गलत आरोप लगाया जा रहा है कि बिलारी की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को उनसे परेशानी है, जबकि यह आरोप पूरी तरह गलत है। कार्यकत्रियों ने कहा कि बाल विकास विभाग और बेसिक शिक्षा विभाग के सभी कार्यक्रमों को सुचारू रूप से संचालित कराने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए सीडीपीओ द्वारा लगातार मार्गदर्शन और सहयोग दिया जाता रहा है। उनके कुशल नेतृत्व में विभागीय कार्यों में काफी सुधार हुआ है। तबादले की जानकारी मिलने से सभी कार्यकत्रियां निराश और चिंतित हैं। ज्ञापन में जनहित को ध्यान में रखते हुए सुरेंद्र पाल सिंह के स्थानांतरण पर रोक लगाने की मांग की गई, ताकि परियोजना का कार्य सुचारू रूप से चलता रहे। ज्ञापन पर सहसपुर, नगालिया जट, मढ़तपुर सिधारी, भुड़ा, ख्वालखेड़ा, गुलड़िया, धमावली, बिपौला, ताहरपुर, वीरमपुर, बिहारी माला, नगालिया शाहपुर, अहरौला सहित बिलारी ब्लॉक के दर्जनों गांवों की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के हस्ताक्षर हैं।

बिलारी में धूमधाम से मनेगा भगवान वाल्मीकि प्रकटोत्सव, निकलेगी भव्य शोभायात्रा, कमेटी गठित

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । नगर में परंपरागत भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा छब्बीस अक्टूबर को भारी धूमधाम से निकाली जाएगी। इसकी तैयारी वाल्मीकि समाज ने अभी से शुरू कर दी है। नगर के मोहल्ला कोरियान में समाज की बैठक में वाल्मीकि समाज के वरिष्ठ नेता राजेंद्र सहदेव ने कहा की विश्व के लोकप्रिय ग्रंथ रामायण के रचयिता, लव कुश के पालनहर और शिक्षक, माता सीता के पथ प्रदर्शक और रक्षक भगवान वाल्मीकि ने मानव जाति को जीने की राह दिखाई इसलिए वे हम सभी के परम पूज्य हैं

उनके दिखाएं मार्ग पर चलने से हमारा कल्याण होगा इसलिए उनकी प्रकट उत्सव को हमें भारी धूमधाम से मनाना चाहिए इस पर समाज के लोगों ने सहमति व्यक्त की और बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार भगवान वाल्मीकि शोभा यात्रा कमेटी का गठन किया गया जिसमें संरक्षक के रूप में राजेंद्र सहदेव, आजाद रत्नाकर, गजराम सिंह वाल्मीकि रहेंगे। अध्यक्ष शिंभू नाथ वाल्मीकि, उपाध्यक्ष बृजनंदन सफाई नायक, महामंत्री सोनू रत्नाकर,मंत्री जीतू, प्रेमी मेला प्रभारी अखिलेश कुमार, उपमेला प्रभारी सागर और कोषाध्यक्ष राजेश कुमार वाल्मीकि को बनाया गया। इन सभी को जिम्मेदारी सौंपी गई कि समाज को अभी से शोभा यात्रा के बारे में बताना शुरू करें और अपने घरों में उसे दिन भव्य उत्सव मनाएं घरों में विशेष सफाई रंगाई पुताई करके रोशनी करें और अपने भगवान का प्रकट उत्सव मना कर धर्म लाभ अर्जित करें।

मंडलीय खेलों में प्रतिभाग करेगी स्योंडारा की छात्रा किरन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । आर पी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज स्योंडारा बिलारी की छात्रा किरन 800 मीटर की दौड़ में जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान आने पर मंडल स्तरीय खेलों में बिजनौर में प्रतिभाग करेगी। कॉलेज के प्रबंधक हनीश कुमार शर्मा और प्रधानाचार्य राजीव कुमार शर्मा ने छात्रा को प्रथम स्थान मिलने पर उसे बधाई और आशीर्वाद दिया।

ग्रामीण क्षेत्र में नसीरपुर भिक्का ग्राम की रहने वाली किरन ने गत वर्ष भी जिले में प्रथम स्थान आने पर मंडल स्तरीय खेलों में चंदौसी में प्रतिभाग किया था।

बरेली में महिला की हत्या: वारदात के बाद दो बेटों को लेकर भागा आरोपी पति, बेटी को छोड़ गया

बरेली के बारादरी क्षेत्र में एक महिला की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। खून से लथपथ उसका शव घर के अंदर पड़ा मिला। आरोप है कि पति ने वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद वह अपने दो बेटों को लेकर भाग गया। बेटी को घर छोड़ गया। बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र के जोगी नवादा में बृहस्पतिवार सुबह एक युवक ने अपनी पत्नी की चाकू और सिलबट्टे से हमला कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी अपने दो बेटों को लेकर भाग गया, जबकि बेटी को घर पर छोड़ गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी की तलाश में पुलिस की टीम दबिश दे रही है। बदायूं के मूसाझाग थाना क्षेत्र के गुलड़िया निवासी महेश ने बताया कि उनकी बहन सरोज (35 वर्ष) की शादी जोगी नवादा निवासी सतीश से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही सतीश दहेज को लेकर सरोज से विवाद करता था। वह शराब पीने का आदी था और आए दिन पत्नी के साथ मारपीट करता था।महेश के मुताबिक घरेलू विवाद के चलते सरोज कुछ समय पहले मायके चली गई थी। करीब दो दिन पहले सतीश उसे मायके से अपने साथ जोगी नवादा ले आया था। बृहस्पतिवार सुबह दोनों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि सतीश ने चाकू से सरोज पर कई वार किए। इसके बाद सिलबट्टे से उसके सिर पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से सरोज की मौके पर ही मौत हो गई।खून से लथपथ मिला शव- घटना की जानकारी होने पर आसपास के लोगों मे शोर मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और खून से लथपथ शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए हैं। बेटों को लेकर भागा, बेटी को छोड़ा-परिजन के अनुसार हत्या के बाद सतीश अपने दो बेटों को लेकर फरार हो गया। बेटी को उसने घर पर ही छोड़ दिया। सतीश मिठाई की दुकान पर हलवाई का काम करता था। पुलिस आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। परिजन ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

हाथरस डबल मर्डर: पुलिस को चकमा देकर फरार आरोपी उदयवीर ने कोर्ट में किया सरेंडर, जेल भेजा, चार पहले से हैं बंद

पहले गौरव क गिरफ्तार किया गया। गौरव का साथी उदयवीर की तलाश की जा रही थी। सरेंडर प्रार्थना पत्र की जानकारी पर बुधवार को पुलिस ने घेराबंदी भी की, लेकिन वह पुलिस को चकमा देने में सफल रहा। हाथरस में सादाबाद के मोहल्ला इस्लामनगर में पूर्व सैन्य कर्मी शमसुद्दीन व उनकी पत्नी की हत्या के आरोप में फरार चल रहे उदयवीर ने बुधवार को पुलिस को चकमा देकर न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। कोर्ट ने न्यायिक अभिरक्षा में उसे जेल भेजा है। प्रकरण में पुलिस महिला सहित चार लोगों को जेल भेज चुकी थी। उदयवीर की तलाश की जा रही थी। 26 सितंबर की रात को घटना को अंजाम दिया गया था। मृतक की दूसरी पत्नी सीमा ने रविवार देर रात 2=30 बजे बीमारी के बहाने से दरवाजा खुलवाया। हमलावर पीछे-पीछे घर में दाखिल हुए और ऊपर पहुंचते ही पहले शमसुद्दीन व फिर सद्दो बेगम पर ताबड़तोड़ प्रहार कर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात व नकदी लूटकर ले गए थे।शमसुद्दीन के बड़े भाई शेर मोहम्मद ने अज्ञात में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने 30 सितंबर को घटना का पर्दाफाश करते हुए सीमा, गौरव के साथी संजय व चीनी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इनके पास से लूट के जेवर व नकदी भी बरामद हुई। गौरव व उदयवीर की तलाश की जा रही थी। 2 अक्तूबर को गौरव को भी गिरफ्तार कर लिया गया।गौरव का साथी उदयवीर निवासी नगला सोहनलाल, सिकंदरा (आगरा) की तलाश की जा रही थी। सरेंडर प्रार्थना पत्र की जानकारी पर बुधवार को पुलिस ने घेराबंदी भी की, लेकिन वह पुलिस को चकमा देने में सफल रहा। डकैती का माल बरामद न होने के कारण कोर्ट ने बीएनएस की धारा 317(3) में न्यायिक अभिरक्षा में लेने का पर्याप्त आधार नहीं माना। कोर्ट ने केवल डकैती के दौरान हत्या यानी बीएनएस की धारा 310(3) में उदयवीर को न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए जेल भेजा है। सादाबाद पुलिस अब आरोपी को रिमांड पर लेने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

संक्षिप्त समाचार

खेत में ट्रैक्टर से जोताई के दौरान रोटावेटर की चपेट में आया युवक, दर्दनाक मौत, क्षत-विक्षत हुआ शरीर

राहुल रोटावेटर में बुरी तरह फंस गया। वह उसके साथ कई

चक्कर घूम गया। मृतक की ताई सत्यवती ने बताया कि राहुल पानी पीने के बाद खेत की ओर गया था। उसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना का दृश्य देखकर ग्रामीणों के रोंगटे खड़े हो गए।सिकंदराराऊ कोतवाली की कचौरा पुलिस चौकी अंतर्गत गांव मुन्नापुर में एक दर्दनाक हादसा हुआ। बृहस्पतिवार दोपहर खेत में ट्रैक्टर से जोताई के दौरान 30 वर्षीय राहुल शर्मा की मौत हो गई। वह रोटावेटर की चपेट में आ गया, जिससे उसका शरीर क्षत-विक्षत हो गया। घटना के बाद खेत में चीख-पुकार मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। पुलिस ने किसी तरह शव को इकट्ठा किया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव मुन्नापुर निवासी राहुल शर्मा पुत्र दिवंगत गिरीश चंद्र था। वह गुरुवार दोपहर करीब एक बजे ट्यूबवेल की कुंडी पर पानी पी रहा था। इसी दौरान शिव कुमार पुत्र रवि कुमार खेत में काम कर रहा था। वह अपने निजी ट्रैक्टर से रोटावेटर लगाकर मिट्टी समतल कर रहा था। शिव कुमार ने राहुल को आवाज देकर बुलाया। राहुल के खेत में पहुंचने के बाद वह रोटावेटर की चपेट में आ गया।हादसे का विवरण- राहुल रोटावेटर में बुरी तरह फंस गया। वह उसके साथ कई चक्कर घूम गया। मृतक की ताई सत्यवती ने बताया कि राहुल पानी पीने के बाद खेत की ओर गया था। उसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना का दृश्य देखकर ग्रामीणों के रोंगटे खड़े हो गए।ट्रैक्टर को छोड़कर भागा चालक- हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक शिव कुमार ट्रैक्टर को मौके पर छोड़कर भाग गया। थाना प्रभारी शिव कुमार शर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

महाकुंभ की डॉक्यूमेंट्री के नाम पर सात करोड़ से अधिक का गबन, मुख्य आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

महाकुंभ की डॉक्यूमेंट्री के नाम पर सात करोड़ से अधिक के गबन मामले में मुख्य आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। वह घटना के बाद से फरार चल रहा था।महाकुंभ-2025 पर डॉक्यूमेंट्री बनाने के नाम

पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में ईओडब्ल्यू ने मुख्य आरोपी इंद्रजीत नट्टोजी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। आरोपी को छह अक्तूबर को मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित वरसोवा थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। वह घटना के बाद से फरार चल रहा था। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, वादिनी पुनीत सिक्का, निदेशक मैसर्स आईक्यू ने डॉक्यूमेंट्री निर्माण के लिए दो जनवरी 2025 को मैसर्स आईएनके पिक्चर्स और एमकोड वेंचर्स एलएलपी के साथ अनुबंध किया था। परियोजना के लिए जीएसटी समेत 5.60 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया था। आरोप है कि आरोपियों ने कूटरचित बिल, फर्जी अनुबंध और भ्रामक दस्तावेजों के जरिये रकम का दुरुपयोग किया और डॉक्यूमेंट्री भी तैयार नहीं की।जांच में परियोजना में कर्मचारियों के भोजन और कैटरिंग के नाम पर करीब 75 लाख रुपये के फर्जी हस्तलिखित बिल लगाकर भुगतान लेने की बात सामने आई। काम पूरा नहीं करने की धमकी देकर करीब 20 लाख रुपये की जबरन वसूली और शूटिंग व स्टूडियो किराये के नाम पर अतिरिक्त रकम मांगने के आरोप भी हैं। ईओडब्ल्यू के मुताबिक छह आरोपियों पर आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जबरन वसूली, धमकी और 50 टीबी से अधिक फुटेज चोरी कर सात करोड़ रुपये से अधिक के गबन का आरोप है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने को गठित हुई जोश टीम

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ उरई । भारत मण्डपम, नई दिल्ली में गुरुवार को टीबी मुक्त भारत अभियान की 'जोश टीम' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार, उरई में किया गया, जिसमें जनपद के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों, एनसीसी कैडेट, माई भारत वॉलंटियर, टीबी विजेताओं और नि:क्षय मित्रों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जलशक्ति मंत्री अरविन्द सिंह चौहान के प्रतिनिधि, एनसीसी नोडल अधिकारी, जनपद स्तरीय यूथ अधिकारी (माई भारत), पंचायती राज विभाग के अधिकारी, टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के प्रधान एवं प्रतिनिधि

सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम सुबह 11ः30 से दोपहर 12ः30 बजे तक चला। जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला क्षय रोग अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की और अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के लिए प्रत्येक ब्लॉक एवं वार्ड के लिए क्लास-वन अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित करते हुए कमेटियों का गठन किया गया है। अभियान की 'जोश टीम' में पांच एनसीसी कैडेट और पांच माई भारत वॉलंटियर शामिल होंगे। यह टीम गांवों एवं शहरी क्षेत्रों में टीबी के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा फील्ड मॉनीटरिंग जैसी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएगी। अधिकारियों ने कहा कि सामुदायिक सहभागिता और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से टीबी उन्मूलन अभियान को और प्रभावी बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम के अंत में जिला क्षय रोग अधिकारी ने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों, वॉलंटियर्स एवं सहयोगी विभागों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

लोकतंत्र की आवाज दबाने पर भड़की कांग्रेस, गांधी प्रतिमा पर मनाया 'काला दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। निर्वाचन आयोग जा रहे इंडिया ब्लॉक के सांसदों और राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे व प्रियंका गांधी को दिल्ली में रोके जाने के विरोध में बरेली कांग्रेस ने जमकर आक्रोश जताया। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चौकी चौराहा स्थित गांधी प्रतिमा के नीचे काली पट्टी बांधकर 'काला दिवस' मनाया। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने किया। सभा में दिनेश दद्दा और प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से सवाल पूछ रहे जनप्रतिनिधियों

पर बल प्रयोग करना लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस पीछे नहीं हटेगी। वहीं एडवोकेट मुजम्मिल रजा ने कहा कि सरकार बेरोजगारी, महंगाई और मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष की आवाज दबा रही है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने बांह पर काली पट्टी बांधकर संविधान रक्षा का संकल्प लिया और चुनाव प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता की मांग उठाई। इस दौरान डॉ. हरीश गंगवार, इंजीनियर ज़ीशान अफरीदी, ज़ोया नज़्मी, रमेश श्रीवास्तव, योगेश जौहरी, तीर्थ मधुकर, कमरुल सैफी सहित कई प्रमुख नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डेंगू, चिकुनगुनिया एवं मलेरिया की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- जिला मलेरिया कार्यालय, विदिशा द्वारा पुराने जिला चिकित्सालय परिसर स्थित कार्यालय में डेंगू, चिकुनगुनिया एवं मलेरिया की रोकथाम, नियंत्रण एवं प्रभावी निगरानी को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विकासखंडों तथा जिला चिकित्सालय से संबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान स्वास्थ्य कर्मचारियों को मलेरिया, डेंगू एवं चिकुनगुनिया रोगों के फैलने के कारण, रोग के प्रमुख लक्षण, संक्रमण से बचाव तथा नियंत्रण के प्रभावी उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान एवं उन्हें समाप्त करने, मच्छरों से बचाव के उपायों तथा संदिग्ध रोगियों की समय पर पहचान एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों द्वारा बताया गया कि इन मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले की सतत निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई महत्वपूर्ण है। कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को मच्छरों से बचाव, घरों एवं आसपास पानी जमा नहीं होने देने तथा बुखार आने पर समय पर स्वास्थ्य केन्द्र में जांच कराने के लिए प्रेरित करने की जानकारी दी गई प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जानकारी एवं प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए प्री-टेस्ट एवं पोस्ट-टेस्ट भी आयोजित किए गए। इन परीक्षणों से प्राप्त जानकारी को झस्ड्स पोर्टल के माध्यम से संपादित एवं दर्ज किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न ब्लॉकों एवं जिला चिकित्सालय से स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। मैदानी स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मचारियों की क्षमता को और सुदृढ़ करना तथा मलेरिया, डेंगू एवं चिकुनगुनिया जैसे मच्छरजनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना रहा।

चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के विरोध में कांग्रेस का ब्लैक डे

सिर पर काली पट्टी बांधकर लगाए विरोध के नारे, राहुल गांधी की गिरफ्तारी के खिलाफ भी जताया आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच / मानस मिश्रा / बगदरा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बगदरा द्वारा ब्लैक डे मनाया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सिर पर काली पट्टी बांधकर चुनाव आयोग एवं केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में भी अपनी नाराजगी जाहिर की।
प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाते हुए विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में ब्लॉक

कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. रामाशंकर सिंह, उपाध्यक्ष हरि शंकर कोल, आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राकेश कोल, ब्लॉक प्रभारी राम गोपाल सिंह, मंडल अध्यक्ष रामपति सिंह, नर्वदा पटेल, लालधारी सिंह, चिंतामणि कोल, संतोष उपाध्याय, संजय गुर्जर, प्रमोद कुमार गुर्जर, प्रेमलाल सिंह और देव प्रताप सिंह सहित करीब 50 कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपने विरोध को दर्ज कराती रहेगी और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी।

पितृ व्याख्यान के 13वें दिन केशव गुरुजी ने बताया श्राद्ध-तर्पण का विधान, कहा- श्रद्धा से किया अर्पण कभी व्यर्थ नहीं जाता

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/गौशाला में मां को खोज लेता है बछड़ा, वैसे ही नाम-गोत्र से पितरों तक पहुंचता है अर्पण - केशव गुरु गंजबासौदा। गौशाला में सैकड़ों गायों के बीच बछड़ा अपनी मां को खोज लेता है... ठीक इसी तरह नाम और गोत्र के उच्चारण के साथ मंत्रपूर्वक पितरों के निमित्त किया गया अर्पण अपने पितरों तक पहुंचता है। पितृ व्याख्यान के 13वें दिन आचार्य पंडित केशव गुरुजी ने स्कंद पुराण में वर्णित राजा करंधम और शिवयोगी महाकाल के संवाद का प्रसंग सुनाते हुए श्राद्ध और तर्पण की महिमा बताई।

उन्होंने कहा कि राजा करंधम ने शिवयोगी से पूछा था कि मनुष्यों द्वारा पितरों के निमित्त अर्पित की जाने वाली वस्तुएं पितरों को किस प्रकार प्राप्त होती हैं। शिवयोगी ने बताया कि पितृ स्थूल हाड़-मांस के शरीर वाले नहीं होते। पितृ योनि का संबंध पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि और अहंकार इन आठ तत्वों से माना गया है। पितर गंध और रस तत्व को ग्रहण करते हैं। चावल में गंध तथा जल में रस तत्व होता है। नाम-गोत्र के उच्चारण के साथ मंत्रपूर्वक अर्पित की गई वस्तु पितरों तक पहुंचती है।
केशव गुरुजी ने कहा कि पुराणों में स्पष्ट किया गया है कि श्रद्धा से अर्पित की गई थोड़ी-सी वस्तु भी व्यर्थ नहीं जाती। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार श्राद्ध और तर्पण अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि और अहंकार भगवान की अष्टधा प्रकृति है। जीव प्रकृति के अधीन है, लेकिन प्रकृति भगवान के अधीन है। इसलिए जो मनुष्य भगवान का आश्रय लेता है, वह संसाररूपी प्रकृति के बीच रहते हुए भी सुख, शांति और संतोष प्राप्त कर सकता है। उन्होंने वेदों में भगवान की उपासना से जुड़े 16 हजार मंत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि यही वेद मंत्र द्वारकाधीश की 16 हजार रानियों के रूप में भगवान की सेवा करते हैं।कलियुग में नाम मंत्र का आश्रय कल्याणकारी = श्रीमहंत नौलखी धाम के पूज्य श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने नाम मंत्र की महिमा बताते हुए कहा कि मंत्र अक्षर ब्रह्म है। कलियुग में नाम मंत्र का विशेष महत्व है। इस युग में शरीर को पूर्ण रूप से शुद्ध रखना कठिन है, इसलिए नाम मंत्र का उच्चारण ही सहज और कल्याणकारी साधन है। विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने अभिभावकों से बच्चों और युवाओं को कथा एवं सत्संग से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सत्संग से संस्कार और चरित्र का निर्माण होता है। युवा शक्ति देश का भविष्य है और सच्चरित्र युवा ही राष्ट्र को उन्नति के शिखर तक पहुंचा सकते हैं। आरती में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मधुलिका अग्रवाल, भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा पिंकू महाराज, वार्ड 18 पार्षद नीलू चौबे, वार्ड 17 पार्षद पिंकी शर्मा, नीलेश अग्रवाल, लालू महाराज, नितिन सक्सेना सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लंबित मांगों को लेकर एनएचएम कर्मचारियों ने शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल

मुरादाबाद। लंबित मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों ने गुरुवार से आंदोलन के द्वितीय चरण के अंतर्गत अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। एनएचएम जिला अध्यक्ष अजीजुर रहीम और महामंत्री विपिन भट्ट के नेतृत्व में कर्मचारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में धरने पर बैठ गए। धरने में एएनएम, चिकित्सक, फार्मासिस्ट सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन से जुड़े कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल रहे। कर्मचारियों की हड़ताल के चलते जिला अस्पताल, महिला अस्पताल समेत जनपद के विभिन्न अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर अन्य स्वास्थ्य सेवाएं

प्रभावित हुईं। धरने में ठाकुर संजीव, उत्तरपाल सिंह, शुभम वर्मा, आकाश ठाकुर, सचिन भारद्वाज, चंद्रशेखर, प्रमोद कुमार, विमल शर्मा, सरोज कुमारी, डॉक्टर शर्मा, डॉक्टर अब्दुल रब, रहमत बी, संगीता सिंह और अंकित शर्मा आदि शामिल रहे। कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों के समाधान होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

पति की मौत के बाद अवैध संबंध के आरोप से पीड़िता का पत्नी का दर्जा खत्म नहीं होता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पति की मृत्यु के बाद कथित अवैध संबंध के आरोप से पीड़िता का पत्नी का दर्जा समाप्त नहीं होता। केवल आरोपों के आधार पर किसी की वैध संतान या कानूनी उत्तराधिकारी का दर्जा नहीं छीना जा सकता इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पति की मृत्यु के बाद कथित अवैध संबंध के आरोप से पीड़िता का पत्नी का दर्जा समाप्त नहीं होता। केवल आरोपों के आधार पर किसी की वैध संतान या कानूनी उत्तराधिकारी का दर्जा नहीं छीना जा सकता। इसके लिए कानून के अनुरूप ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य आवश्यक हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार-दशम ने बलिया की एक महिला व अन्य की याचिका पर दिया है। वादी ने दावा किया था कि पीड़िता के पति की मौत हो गई और उनका किसी अन्य के साथ संबंध है। ऐसे में उन्हें पत्नी (विधवा) का दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए। वादी का यह भी कहना था कि महिला के दो बच्चे वैध संतान नहीं हैं। ट्रायल कोर्ट ने 1963 में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 488 के तहत हुए मामले के निष्कर्षों पर वादी के पक्ष में फैसला दिया था। इस आदेश को पीड़ित महिला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी हाईकोर्ट ने पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद कहा कि वादी ने स्वयं पीड़िता का विवाह होना स्वीकार किया था। बाद में किसी अन्य व्यक्ति के साथ कथित संबंध उस दर्जे को स्वत: समाप्त नहीं कर सकते। बच्चों की वैधता पर सवाल उठाने के लिए वादी और एक गवाह की गवाही पर्याप्त नहीं थी। हाईकोर्ट ने बताया कि धारा 488 सीआरपीसी की कार्रवाई संक्षिप्त प्रकृति की होती है। इसका उद्देश्य केवल भरण-पोषण संबंधी राहत देना है। इसमें दर्ज निष्कर्षों को दीवानी मुकदमे में निर्णायक प्रमाण नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने पीड़िता की याचिका स्वीकार करते हुए ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया।

जनगणना ट्रेनर्स का के द्वितीय चरण हेतु फील्ड प्रशिक्षण प्रारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण हेतु नामित फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 08 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ हो गया है। फील्ड ट्रेनर्स के दो बैचों में आयोजित यह प्रशिक्षण दिनांक 10 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख जनगणना अधिकारी/ जिलाधिकारी एवं जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) महेंद्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। जनगणना निदेशालय द्वारा जारी आदेशों के अनुपालन में उप जिलाधिकारी, बिसौली एवं उप जिलाधिकारी, दातागंज को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में दोनों बैचों का प्रशिक्षण संचालित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना 2027 के द्वितीय चरण से संबंधित कार्यप्रणाली, दायित्वों एवं आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। दोनों बैचों में शत-प्रतिशत उपस्थिति रही। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बदायूँ में दिनांक 08 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

शमशाबाद में कांग्रेस का 'काला दिवस', चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- शमशाबाद में नगर व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को नगर के पुराने बस

स्टैंड पर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में चुनाव आयोग को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्षी नेताओं पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में इसे 'काला दिवस' के रूप में मनाया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर चुनाव आयोग जवाब दो और लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ जैसे नारे लगाए। कांग्रेस नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर चुनाव आयोग से जवाबदेही की मांग की और दिल्ली की पुलिस कार्रवाई का विरोध जताया।

Not just Lavani, Povaada is also Maharashtra's pride; these folk songs related to the Maratha Empire give you goosebumps.

The folk song Povaada of Maharashtra tells the story of Maratha heroes. These folk songs are a part of Maharashtra's culture. Not only Lavani songs, but Povaada also holds a special place in Maharashtra's folk culture. for entertainment; they tell the sacrifice of the Maratha Empire. their dafli in hand, begin to recite loud voice, listeners get have entered the story. The history bravery is quite interesting. Let's originated. What is the history of folk songs dates back to the 17th Povadas were sung during the Maharaj. Shivaji Maharaj's songs. Many Povadas were Chhatrapati Shivaji Maharaj's martyrdom of Tanaji Malusare at Povadas reached their peak this period, Povadas were written valor of brave warriors like How is a Povada sung? The singer Shahir. He is accompanied by co- the main singer's lines in chorus. Daf, Tuntuna, and Manjira are singing Povadas to the tune of such an atmosphere that it feels as

These folk songs are not sung just story of the courage, valor, and When the Povaada singers, with the stories of Maratha heroes in a goosebumps and feel as if they too of these folk songs telling tales of learn how the Povaada song Povaada? The history of Povaada century. It is believed that the first time of Chhatrapati Shivaji bravery was sung in the form of composed on the stories of defeat of Afzal Khan and the Sinhagad Fort. It is believed that during the Peshwa period. During on the Battle of Panipat and the Sadashivrao Bhau and Vishwasrao. who sings a Povada is called a singers, called Jilkaris, who repeat Musical instruments such as the used to sing Povadas. The singers these musical instruments create if you have actually reached the battlefield. Povadas singers wear traditional Maharashtrian attire. What is the speciality of Povadas? - Povadas are heroic songs, listening to which awakens the feeling of courage and patriotism. The purpose of singing these songs was to awaken the feeling of patriotism and courage among the common people. Povadas were sung to boost morale during war. The courage and sacrifice of Maratha heroes is still alive in Povadas songs.

CPR in the news after Nana Patekar's death. How does this method work in cardiac arrest?

Following the passing of actor Nana Patekar, discussions about cardiac arrest and CPR have intensified. This article explains what cardiac arrest is, why immediate response is crucial, and how CPR helps save lives. In cardiac oxygen to the brain stops. CPR plays a brought tragic news to the film industry. Nana Patekar has shocked everyone. The While everyone is grieving the loss of again intensified. According to reports, life, but all attempts to revive him failed. after a cardiac arrest and how CPR plays Dr. Sameer Gupta (Senior Interventional Group of Hospitals) explains that cardiac beating. This simply means that the supply from a heart attack, in which the blood a person may suddenly collapse, become is not taken, the chances of survival response essential? To understand how immediately. When the heart stops deprivation. Emergency CPR is the other vital organs until medical help collapses and doesn't respond, check to emergency medical services. During this

arrest, the heart stops beating. The supply of blood and vital role in saving lives immediately. Thursday morning The sudden death of renowned Indian cinema actor 75-year-old passed away after suffering a cardiac arrest. Nana Patekar, discussions about cardiac arrest have once Nana was administered CPR for 45 minutes to save his In this article, we'll learn why every second is crucial a crucial role in this condition. What is cardiac arrest? Cardiologist, Group Head - Cath Labs, Director - Metro arrest is a very serious condition in which the heart stops of blood and oxygen to the brain stops. This is different supply to the heart is interrupted. During cardiac arrest, unresponsive, and stop breathing. If immediate action diminish with every passing minute. Why is immediate dangerous cardiac arrest is, it's also important to respond pumping blood, the brain is the first affected by oxygen method of supplying blood and oxygen to the brain and arrives. When is CPR needed? If a person suddenly see if they're breathing normally and immediately call time, begin chest compressions by pressing firmly and rapidly on the center of the chest. If you have an AED (Automated External Defibrillator), use it without delay. How many types of CPR are there? Breathing CPR: In this, you compress the chest and perform mouth-to-mouth breathing. To perform this type of CPR, you need CPR certification. Hands-only CPR: In this, you compress the chest with your hands only. You don't need certification for this type of CPR. You can learn it yourself. The correct way to perform CPR is to have the person lie flat on their back on firm, level ground. Kneel near the person's chest. Place the bottom of your palm in the center of the chest, then place your other hand on top of it, interlocking your fingers. Your shoulders should be directly above your hands, and your arms should be straight. Use your body weight when performing chest compressions. Press down at least 2 inches. Allow the chest to rise after each compression. Perform 100 to 120 compressions per minute. If you are certified, perform two mouth-to-mouth breaths after every 30 compressions. If you haven't received training, continue performing chest compressions.

People are mistaking "Chhalre-Chhalre Wal" for Punjabi, but this viral folk song is actually in this language, with ties to a neighboring country.

The viral songs "Chhalre-Chhalre Wal" and "Sammi Meri Vaar" on the internet are not actually Punjabi songs. These songs are in a Pakistani language. These days, everyone on social media is humming "Chhalre-Chhalre everywhere, from reels to shorts, but many people believe them to be language. This language is winning out where Saraiki is spoken and what main languages ??spoken in South districts like Dera Ghazi Khan, In Dera Ghazi Khan alone, Pakistan, approximately 25 million Partition. Before the partition of ??in the Punjab region. However, to India gradually adopted Hindi or gradually declined. However, Is Saraiki a language or a dialect? Saraiki a dialect of Punjabi, as both Saraiki a distinct language with its 4,500-year-old history dates back to

Wal" and "Sammi Meri Vaar." These songs are going viral did you know that these songs are not sung in Punjabi? Yes, Punjabi songs, but they are actually sung in the Saraiki everyone's hearts with its sweetness and Sufi style. Let's find is its specialty. Where is Saraiki spoken? Saraiki is one of the Punjab, Pakistan. The language is primarily spoken in Multan, Bahawalpur, Muzaffargarh, and Rahim Yar Khan. approximately 86% of the population speaks Saraiki. Across people speak Saraiki. Saraiki disappeared from India after India and Pakistan, Saraiki was one of the main languages after Partition, people who migrated from Pakistan's Punjab Punjabi, and the number of Saraiki speakers in India people's connection to the Saraiki language remains intact. There are divided opinions on this question. Some consider have very similar grammar and vocabulary. Others consider own identity, literature, and distinct pronunciation. Saraiki's the Indus Valley Civilization and is believed to be approximately 4,500 years old. The language's most distinctive feature is its Sufi style and sweetness. Sufi saints born in the region around Multan composed numerous works in this language. The great Sufi poet Khwaja Ghulam Farid wrote his famous Kafis in Saraiki. Saraiki has a very sweet accent, and it also shows strong influences from Punjabi and Sindhi.

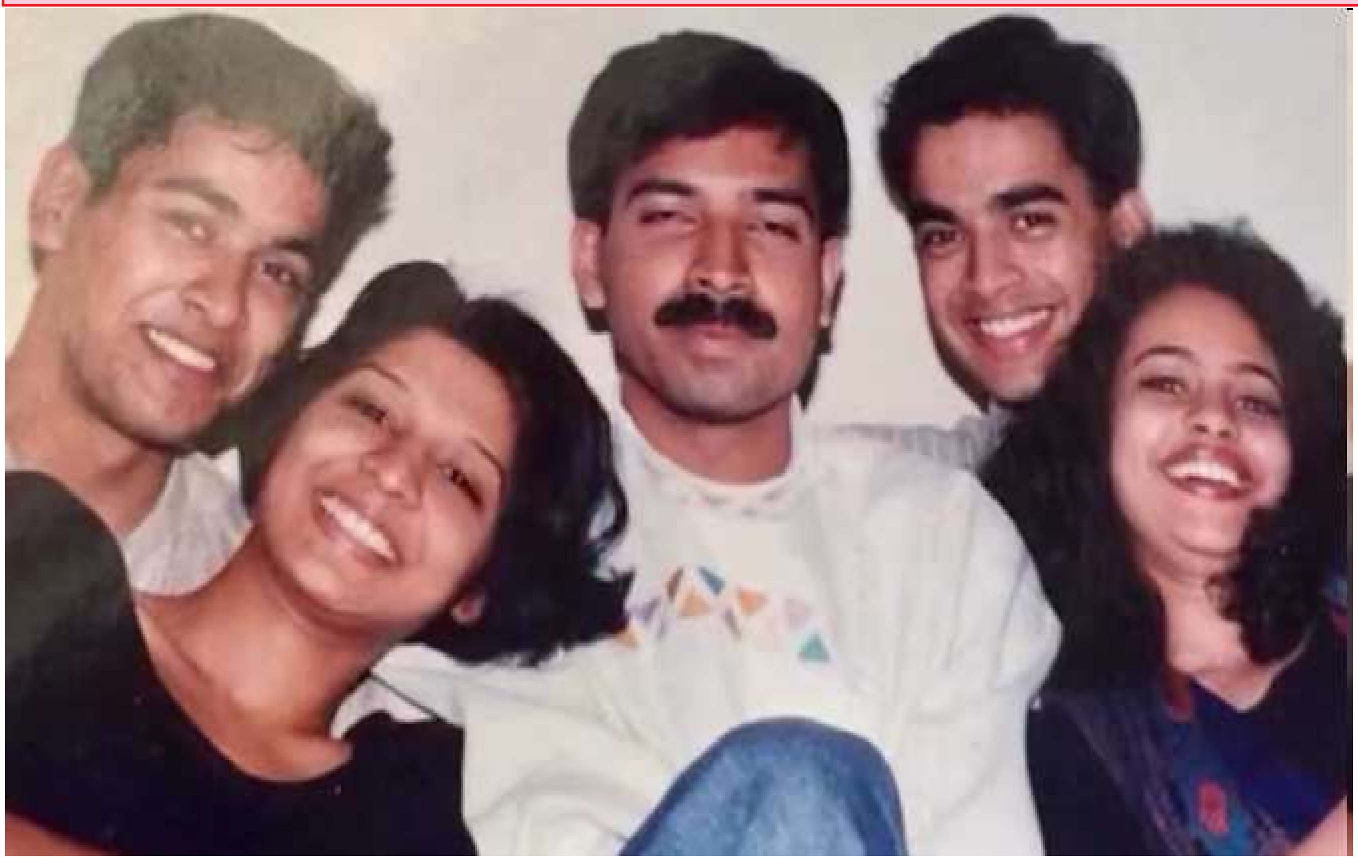

R. Madhavan: Actor opens up a box of memories; shares throwback photos, captions "Old days."

Actor R. Madhavan has shared some glimpses from his old album, making him nostalgic. Popular actor R. Madhavan is quite active on social media. It seems he opened his old album during his leisure time on Sunday. He also shared some unseen photos from it with his fans on social media. Madhavan shared photos from friends' gatherings - R. Madhavan shared a video collage on his Instagram account. It features photos from his old days, when he would host friends' gatherings. The actor captioned the photos, "Old days." Have you seen the throwback photo of R. Madhavan and Sarita Birje? His wife Sarita Birje is also seen in these photos. In one photo, R. Madhavan is seen posing on his modified bike. Opening his memory bank, R. Madhavan also tagged all his friends in the post. Madhavan's look in the photos is completely different from today. However, the same innocence is visible, which remains intact even today. Netizens are reacting and praising the actor's photos. One user wrote, "Your charm is always there, but Sarita Birje has stolen all the limelight in these photos." Madhavan's fans are thanking him for the post. One user wrote, "This is the best post of the day." Another user wrote, "There is no one like Maddy."

Junior NTR-Janhvi Kapoor Deepfake Case: "Such acts are shameful"; Chiranjeevi expresses displeasure, appeals to the government

Megastar Chiranjeevi has expressed anger over the deepfake video of Junior NTR and Janhvi Kapoor. He strongly condemned it and appealed to the government to take action against it. A morphed video of the song "Chuttamalle" from Junior NTR and Janhvi Kapoor's film "Devra: Part 1" is going viral on social media. This video is objectionable. After the video went viral, Junior NTR expressed his displeasure and threatened to take legal action. Many other celebrities have also come out in his support. South megastar Chiranjeevi has also expressed his anger and objection to the video. Chiranjeevi said, "Such acts are cruel and shameful." Chiranjeevi shared a long post from his ex-account. Regarding the offensive deepfake video of Janhvi and Jr. NTR, he wrote, "The use of AI to create derogatory and morphed videos of women deeply disturbs me. Such actions are cruel, shameful, and completely unacceptable. I strongly condemn them." "This cannot be considered a joke or entertainment." The actor further wrote, "This incident is not just about one person or one film. Today it happened to someone else. Tomorrow it could happen to you, me, or someone we know. We cannot remain silent just because it hasn't affected us personally. It is the responsibility of each one of us to stand up against such abuse. Those who create such content and those who knowingly spread it must be held accountable under the law. This cannot be considered a joke or entertainment." When was "Devraa" released? The actor further wrote, "Please do not watch these videos. Do not download, share, or forward them, even if your intention is to condemn them." Instead, report them to the relevant platforms and cybercrime authorities. Protecting human dignity is our collective responsibility. Let us all stand together, raise our voices, and take action." The film "Devraa" was released on September 27, 2024. The film starred Junior NTR and Janhvi Kapoor in lead roles. This film marked Janhvi's South debut. However, the film failed to perform well at the box office.

Pornographic video case: Yami Gautam appeals after watching Janhvi's song, saying, "Don't let AI enhance my photos."

Actress Yami Gautam has made a special appeal through a social media post amid the ongoing case of a morphed video of "Chuttamalle." In it, she spoke out about the use of her photos. Recently, the case of an AI video of the song "Chuttamalle" featuring Jr. NTR and Janhvi Kapoor has been making headlines. Film stars are also strongly criticizing the misuse of AI in this case. Actress Yami Gautam has made a special request to fans via social media. Yami's appeal? - Actress Yami Gautam warned fans not to manipulate her photos. In a social media post, she wrote, "Please do not use AI to morph or enhance my photos taken at public events. Please use the photos in their original form. No person's image or appearance should be morphed or manipulated using AI without their knowledge and consent." Thank you very much for honoring my request." AI video of 'Chuttamalle' - An AI video of the song 'Chuttamalle' from the film 'Devra: Part 1' starring Junior NTR and Janhvi Kapoor is going viral on social media. This video is objectionable. After the video went viral, Junior NTR expressed his displeasure and threatened to take legal action. Many stars have expressed support - Since the AI ??video of the song 'Chuttamalle' from the film 'Devra: Part 1' surfaced, many celebrities have expressed their objection to it. Junior NTR, Chiranjeevi, and Vijay Deverakonda have demanded legal action against the creators of this video. On Saturday, NTR posted, "I will take all possible legal action against those who created and spread this morphed video of the song 'Chuttamalle,' which is disgusting, shameless, and sick-minded. I will not spare any of them. I appeal to people not to watch, share, or react to such content." Today it has happened to someone else, tomorrow your mother, sister, wife or daughter can also become its victim. About the film 'Devraa' - The film 'Devraa' was released on 27 September 2024. Junior NTR and Janhvi Kapoor were in lead roles in the film. Janhvi made her debut in South with this film. Saif Ali Khan played the villain in this film. However, this film could not do well at the box office.